

(हिंदी साप्ताहिक)

हमारा मीरा भाईदर

PRGI NO. MHHIN/26/A3992

वर्ष: 01 • अंक: 5 • शनिवार: दिनांक 17 से 23 अक्टूबर 2026 • पृष्ठ: 12 • मूल्य: 5 रुपये • संपादक: शाहनवाज़ रफ़ीक़ खान

महासभा की रिकॉर्डिंग पर रोक का कोई नियम नहीं!
RTI में मीरा भाईदर मनपा का खुलासा

आरटीआई के जवाब से रिकॉर्डिंग को लेकर स्थिति हुई स्पष्ट, नागरिकों और पत्रकारों के बीच फिर उठे सवाल



वाला कोई स्पष्ट नियम, शासन निर्णय अथवा नगरपालिका प्रस्ताव उपलब्ध होने की जानकारी नहीं दी गई है। यह जानकारी शिकायतकर्ता कृष्णा गुप्ता द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में सामने आई है। नगर निगम के नगर सचिव विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से इस संबंध में लिखित जवाब दिया

नागरिकों की ओर से भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरटीआई के जवाब में नगर निगम ने बताया है कि महासभा की फोटोग्राफी पर रोक लगाने वाला कोई नियम, शासन निर्णय अथवा नगरपालिका प्रस्ताव उपलब्ध नहीं है। साथ ही, केवल फिल्मांकन या रिकॉर्डिंग करने के आधार पर किसी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने अथवा दंडात्मक कार्रवाई करने संबंधी किसी प्रावधान की जानकारी भी नहीं दी गई है।

पुरानी कार्रवाई का रिकॉर्ड भी नहीं
आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार, महासभा की रिकॉर्डिंग या फिल्मांकन के आधार पर पहले किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई हो, ऐसा कोई रिकॉर्ड भी नगर निगम के पास उपलब्ध नहीं बताया गया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि यदि रिकॉर्डिंग पर रोक लगाने वाला कोई स्पष्ट नियम या प्रस्ताव उपलब्ध नहीं है, तो महासभा में पत्रकारों और नागरिकों द्वारा रिकॉर्डिंग को रोकने का आधार क्या है?

RTI जवाब के बाद विवाद फिर चर्चा में
इस मामले में आरटीआई

कार्यकर्ता/शिकायतकर्ता कृष्णा गुप्ता का कहना है कि नगर निगम के लिखित जवाब से रिकॉर्डिंग पर लगाए जा रहे प्रतिबंध को लेकर स्थिति पर सवाल खड़े होते हैं। नागरिकों और पत्रकारों की ओर से भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, आरटीआई में रिकॉर्डिंग पर रोक लगाने वाला नियम नहीं मिलने का अर्थ यह नहीं है कि नगर निगम ने रिकॉर्डिंग की स्पष्ट अनुमति दे दी है। रिकॉर्डिंग की अनुमति और प्रतिबंध संबंधी नियम का उपलब्ध न होना दो अलग-अलग बातें हैं। इसलिए इस मामले में नगर निगम प्रशासन की आधिकारिक स्थिति भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, आरटीआई में रोक लगाने वाला नियम उपलब्ध नहीं होने का अर्थ रिकॉर्डिंग की स्पष्ट अनुमति होना नहीं है। अब देखने वाली बात यह होगी कि आरटीआई के इस जवाब के बाद मीरा भाईदर महानगरपालिका प्रशासन महासभा की रिकॉर्डिंग को लेकर अपनी आधिकारिक स्थिति किस प्रकार स्पष्ट करता है।

आरटीआई में सामने आए मुख्य बिंदु

1 महासभा की फोटोग्राफी पर रोक लगाने वाला स्पष्ट नियम उपलब्ध नहीं बताया गया।

2 रिकॉर्डिंग पर रोक से संबंधित शासन निर्णय या नगरपालिका प्रस्ताव की जानकारी नहीं दी गई।

3 रिकॉर्डिंग करने पर दंडात्मक कार्रवाई के प्रावधान की जानकारी नहीं दी गई।

4 ऐसी कार्रवाई का पूर्व रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं बताया गया।

दुष्काळग्रस्त 2 लाख से अधिक किसान परिवारों को दिवाली का 'आनंद राशन किट'

परिवहन मंत्री एवं धाराशिव के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक की पहल; दिवाली से पहले जरूरतमंद किसान परिवारों तक पहुंचाई जाएगी मदद



आवश्यक सामग्री पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

इस विशेष पहल की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 14 अक्टूबर 2026 को मंत्री प्रताप सरनाईक ने तैयारियों के स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने

किट की पैकिंग, सामग्री की व्यवस्था और जरूरतमंद परिवारों तक समय पर सामग्री पहुंचाने को लेकर संबंधित लोगों को आवश्यक निर्देश दिए।

महिला बचत समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका

इस पहल की तैयारी में ठाणे के ओवला-माजीवड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकमान्य नगर में महिला बचत समूहों

की बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। महिलाओं द्वारा किट की पैकिंग सहित विभिन्न तैयारियों की जा रही हैं। इस तरह इस पहल में महिला सशक्तीकरण का पहलू भी जुड़ा हुआ है।

किट में क्या-क्या होगा?

दिवाली के अवसर पर दिए जाने वाले इस विशेष किट में विभिन्न आवश्यक वस्तुएं शामिल की गई हैं। इनमें 1 किलो रवा- 1 किलो चीनी- 1 किलो वनस्पति घी- 1 किलो मैदा- 1 किलो बेसन- सुगंधित उबटन- लक्ष्मी के चरण चिह्न- नए साल का कैलेंडर- दिवाली की पणती/दीया- अन्य आवश्यक सणासुदी की सामग्री शामिल होने की जानकारी दी गई है।

किसानों के घर तक पहुंचाने की

तैयारी

बताया गया है कि दिवाली से पहले यह किट धाराशिव जिले के दुष्काळग्रस्त किसान परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी दी गई है।

“संकट के समय किसानों के साथ खड़ा रहना जरूरी”

इस अवसर पर प्रताप सरनाईक ने कहा कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का माध्यम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संकट के समय किसानों और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहना जरूरी है और इसी भावना से दिवाली के अवसर पर यह

पहल की जा रही है।

बताया गया है कि पिछले वर्ष भी धाराशिव के नुकसानग्रस्त किसानों के लिए 109 दुधारू गायों के वितरण का उपक्रम किया गया था। इस वर्ष दुष्काळग्रस्त किसान परिवारों तक दिवाली की सामग्री पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस पहल के माध्यम से धाराशिव के जरूरतमंद किसान परिवारों को दिवाली के अवसर पर कुछ राहत और खुशियां देने का प्रयास किया जा रहा है।



संपादकीय

हमारा मीरा भाईदर, हमारी जिम्मेदारी



मीरा भाईदर सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि लाखों लोगों के सपनों, मेहनत और उम्मीदों से बना हमारा अपना शहर है। यहां अलग-अलग समाज, धर्म और विचारों के लोग वर्षों से साथ रहते आए हैं। शहर की यही विविधता इसकी सबसे बड़ी पहचान है।

तेजी से बढ़ते मीरा भाईदर के सामने आज विकास के साथ-साथ कई चुनौतियां भी हैं। सड़कें, ट्रैफिक, पानी, स्वच्छता, कचरा,

सार्वजनिक परिवहन, पार्किंग, नागरिक सुविधाएं, बढ़ती आबादी और पर्यावरण जैसे मुद्दे सीधे आम नागरिक के जीवन को प्रभावित करते हैं। इन समस्याओं पर सवाल उठाना केवल किसी व्यक्ति या संस्था की आलोचना करना नहीं, बल्कि शहर को बेहतर बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

एक जिम्मेदार समाचार पत्र का काम केवल खबर प्रकाशित करना नहीं होता। उसका दायित्व है कि वह जनता की आवाज़ को सामने लाए, प्रशासन से जवाब मांगे और समाज के सामने सही तथ्यों को रखे। किसी भी खबर में आरोप और तथ्य के बीच अंतर बनाए रखना और सभी संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर देना पत्रकारिता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

आज सोशल मीडिया के दौर में खबर कुछ ही सेकंड में हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसे समय में बिना पुष्टि की जानकारी, अफवाह या भ्रामक खबर समाज में अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकती है। इसलिए "हमारा मीरा भाईदर" का प्रयास रहेगा कि खबरों को जिम्मेदारी, निष्पक्षता और जनहित की भावना के साथ पाठकों तक पहुंचाया जाए।

हम मानते हैं कि लोकतंत्र में सवाल जरूरी हैं। लेकिन सवालों के साथ तथ्यों की जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है। सत्ता में बैठे लोगों से सवाल हों, प्रशासन के कामकाज पर चर्चा हो या नागरिकों की समस्याएं सामने आएं—हर विषय को संतुलित दृष्टिकोण से जनता तक पहुंचाना हमारा प्रयास रहेगा।

हमारा उद्देश्य किसी व्यक्ति, संस्था या राजनीतिक विचारधारा का समर्थन या विरोध करना नहीं, बल्कि मीरा भाईदर के नागरिकों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता देना है। शहर में अच्छा काम हो तो उसकी जानकारी जनता तक पहुंचे और जहां कोई समस्या हो, वहां संबंधित विभाग तक नागरिकों की आवाज भी पहुंचे—यही स्वस्थ पत्रकारिता की भूमिका है।

"हमारा मीरा भाईदर" अपने पाठकों को केवल पाठक नहीं, बल्कि शहर की इस यात्रा का सहभागी मानता है। आपका सुझाव, आपकी समस्या और आपकी आवाज हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

आइए, मिलकर ऐसा मीरा भाईदर बनाने की दिशा में आगे बढ़ें, जहां विकास के साथ पारदर्शिता हो, सुविधाओं के साथ जिम्मेदारी हो और हर नागरिक को अपनी बात कहने का अधिकार मिले।

हमारा मीरा भाईदर — हर खबर, आपके साथ।

हमारा मीरा भाईदर : संपादकीय टीम

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक: शाहनवाज़ रफ़ीक़ ख़ान

उप-संपादक: सैफ़ ख़ान

सहायक संपादक: प्रफुल वाघेला

विशेष संवाददाता: सत्री पटेल

रिपोर्टर: राजीव शेवाले

रिपोर्टर: विरल चावड़ा

फोटोग्राफर: शाहनवाज़ शरीफ़ ख़ान

विधिक सलाहकार:

ब्रेगेंज़ा फर्म(उच्च न्यायालय अधिवक्ता)

“मैं इधर ही बैठूंगा ***

“कहने वाला वीडियो सामने आने के बाद विवाद, नगरसेवक ने HMB News पर लगाया बदनाम करने का आरोप”



वीडियो में कही गई बात को दिखाना पत्रकारिता है या बदनामी?

HMB News का सवाल

जो कहा गया, वही तो जनता को दिखाया गया

राजीव शेवाले। मीरा भाईदर में एक वीडियो को लेकर राजनीतिक और पत्रकारिता के स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। नगरसेवक सचिन डोंगरे से संबंधित एक वीडियो का एक हिस्सा HMB News द्वारा समाचार के रूप में प्रसारित किया गया। वीडियो के अंत में नगरसेवक द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए “मैं इधर ही बैठूंगा...” जैसी बात कहते हुए सुनाई देने का दावा किया गया है।

वीडियो प्रसारित होने के बाद नगरसेवक की ओर से HMB News पर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। वहीं HMB News का कहना है कि चैनल ने अपनी ओर से कोई आपत्तिजनक बयान नहीं जोड़ा, बल्कि जिस वीडियो में जो बात कही गई है, उसी हिस्से को जनता के सामने रखा गया है।

“अगर वीडियो में कहा गया है, तो उसे दिखाना बदनामी कैसे?”

“HMB News का कहना है कि पत्रकारिता का उद्देश्य किसी व्यक्ति को बदनाम करना नहीं, बल्कि जनता के सामने उपलब्ध तथ्यों और बयानों को रखना है। जिस वीडियो के आधार पर खबर बनाई गई, उसमें संबंधित व्यक्ति की कही गई बात मौजूद है। ऐसे में वीडियो में कही गई बात को रिपोर्ट करना अपने आप में कोई नया बयान गढ़ना नहीं है।

HMB News का सवाल है कि यदि किसी सार्वजनिक पद पर बैठे जनप्रतिनिधि के बयान या व्यवहार से संबंधित वीडियो सार्वजनिक चर्चा में आता है, तो क्या मीडिया को उसे जनता के सामने रखने का अधिकार नहीं है?

“छोटा-बड़ा नहीं होता मीडिया संस्थान”

HMB News का यह भी कहना है कि किसी डिजिटल न्यूज़ चैनल को केवल इसलिए “YouTuber” कहकर खारिज नहीं किया जा सकता कि वह डिजिटल माध्यम से समाचार प्रसारित करता है। आज समाचार पत्र, वेबसाइट और डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म—सभी जनता तक सूचना पहुंचाने का माध्यम हैं।

“छोटा-बड़ा नहीं होता मीडिया संस्थान”

HMB News का यह भी कहना है कि किसी डिजिटल न्यूज़ चैनल को केवल इसलिए “YouTuber” कहकर खारिज नहीं किया जा सकता कि वह डिजिटल माध्यम से समाचार प्रसारित करता है। आज समाचार पत्र, वेबसाइट और डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म—सभी जनता तक सूचना पहुंचाने का माध्यम हैं।

“हमारा मीरा भाईदर” (हिंदी साप्ताहिक) १२ पृष्ठों का रंगीन समाचार पत्र है। इसके साथ HMB News डिजिटल न्यूज़ चैनल और hmbnews.in वेबसाइट भी संचालित है,

जहां ई-पेपर का विकल्प भी उपलब्ध है।

HMB News का कहना है कि उसके प्लेटफॉर्म पर आज तक प्रकाशित किसी खबर में यदि कोई तथ्य गलत है या किसी व्यक्ति को जानबूझकर बदनाम करने का उद्देश्य साबित होता है, तो संबंधित व्यक्ति तथ्य के साथ आपत्ति दर्ज करा सकता है। लेकिन किसी वीडियो में कही गई बात को उसी रूप में जनता के सामने रखना और अपनी ओर से कोई शब्द जोड़ना—दोनों अलग-अलग बातें हैं।

NC को लेकर भी HMB News का जवाब

बताया गया है कि नगरसेवक की ओर से पुलिस चौकी में NC दर्ज कराने की बात कही गई है और आगे कार्रवाई की बात भी कही गई। इस संबंध में HMB News का कहना है कि यदि उसके द्वारा प्रकाशित सामग्री में कोई तथ्य गलत है, तो संबंधित पक्ष कानूनी प्रक्रिया के तहत अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है।

लेकिन यदि विवादित वीडियो में वही शब्द मौजूद हैं जिन्हें HMB News ने प्रसारित किया है, तो सवाल यह है कि वीडियो में कही गई बात को दिखाने को बदनामी कैसे कहा जा सकता है?

पत्रकारिता का सवाल—व्यक्ति नहीं, बयान महत्वपूर्ण HMB News का कहना है कि पत्रकारिता किसी व्यक्ति के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने का नाम नहीं है। यदि कोई जनप्रतिनिधि सार्वजनिक रूप से कोई बयान देता है, तो उस बयान पर जनता को जानकारी देना मीडिया की जिम्मेदारी है।

“हमने आपके मुंह में कोई शब्द नहीं डाले। वीडियो में जो कहा गया, वही जनता को दिखाया गया। यदि वह शब्द आपत्तिजनक हैं, तो सवाल मीडिया से ज्यादा उस बयान पर होना चाहिए।”

मीरा भाईदर की जनता भी अब इस पूरे विवाद को अपने-अपने नजरिए से देख रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो को मिले व्यूज को लेकर भी चर्चा है। HMB News का कहना है कि किसी खबर को कितने लोगों ने देखा, यह जनता की रुचि को दर्शाता है; इसे किसी व्यक्ति को बदनाम करने का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

HMB News का स्पष्ट संदेश—HMB News किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि खबर के पक्ष में है। जो कहा गया है, उसे दिखाना हमारा काम है। खबर गलत हो तो तथ्य के साथ बताइए—लेकिन खबर में मौजूद बयान को दिखाने पर पूरे मीडिया संस्थान को ‘छोटा YouTuber’ कहना उचित नहीं।”

HMB News

आपकी आवाज़ • आपके शहर की खबर



हमारा मीरा भाईदर

आपकी आवाज़ • आपके शहर की खबर

NEWS | ADVERTISING | NOTICE | BIRTHDAY WISHES

आपकी खबर, आपके व्यापार का विज्ञापन, शुभकामनाएँ एवं महत्वपूर्ण सूचनाएँ प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।

976 976 06 00
810 88888 26

HMB News - Hamara Mira Bhayander | @hmbnewsofficial

मिरा-भाईंदर की हाउसिंग सोसायटियों को बड़ी राहत अब बिना बिल्डर खुद कर सकेंगे अपनी इमारतों का पुनर्विकास

मिरा-भाईंदर में आवासीय क्रांति: अब सोसायटियां खुद बनेंगी अपने प्रोजेक्ट की मालिक, बिल्डरों की मनमानी होगी खत्म

विशेष ब्यूरो, मिरा-भाईंदर

मिरा-भाईंदर शहर में पुरानी और जर्जर इमारतों में रहने वाले लाखों परिवारों के लिए एक राहत भरी खबर है। राज्य सरकार की नई नीति के तहत अब शहर की हाउसिंग सोसायटियों को बिल्डरों की मनमानी और धोखाधड़ी से हमेशा के लिए मुक्ति मिलने जा रही है। शहर में अब 'स्व-पुनर्विकास' (Self-Redevelopment) योजना को बड़े पैमाने पर लागू करने का फैसला किया गया है, जिसके तहत शुरुआत में ५ सोसायटियों को 'पायलट प्रोजेक्ट' के तौर पर विकसित किया जाएगा।

मिरा रोड में आयोजित एक विशेष मार्गदर्शन शिविर में महाराष्ट्र गृहनिर्माण स्वयं/समूह पुनर्विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष व विधायक प्रवीण दरेकर और

विधायक नरेंद्र मेहता ने संयुक्त रूप से इस योजना की घोषणा की। इस नई व्यवस्था के तहत अब सोसायटियों को पुनर्विकास के लिए किसी प्राइवेट बिल्डर पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि पूरी जमीन और प्रोजेक्ट का मालिकाना हक खुद सोसाइटी के पास ही सुरक्षित रहेगा।

फंड की कोई कमी नहीं, सरकार देगी वित्तीय बैकअप

अक्सर सोसायटियां फंड की कमी के डर से खुद पुनर्विकास करने से कतराती हैं। इस समस्या को दूर करते हुए विधायक प्रवीण दरेकर ने बताया कि सरकार ने राज्य सहकारी बैंकों के माध्यम से १०,००० करोड़ रुपये और NCDC के जरिए १,००० करोड़ रुपये की भारी वित्तीय मदद का प्रावधान किया है। मुंबई में इस मॉडल के तहत २१ सोसायटियों ने महज ३

साल के रिकॉर्ड समय में अपने फ्लैट्स बनाकर तैयार कर लिए हैं। इसी तर्ज पर मिरा-भाईंदर में भी तेजी से काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

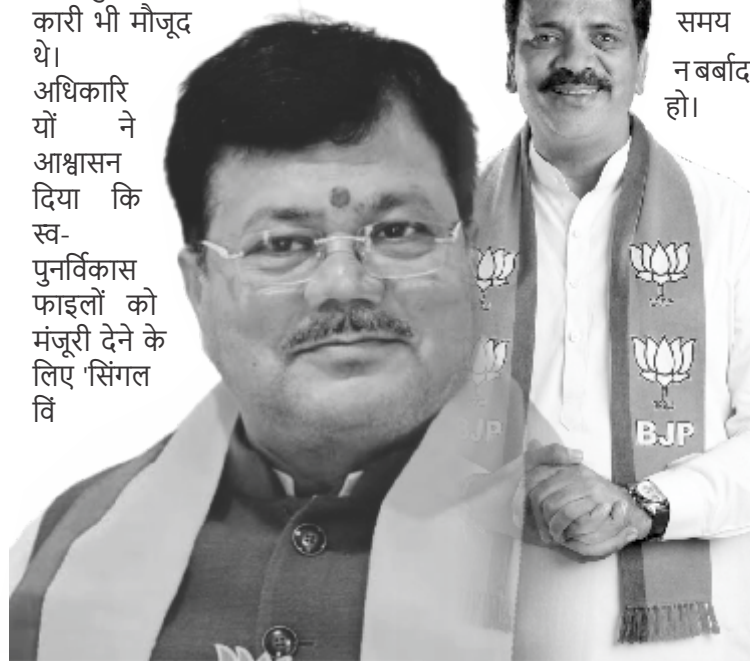
धोखाधड़ी पर लगेगा स्थायी अंकुश

कार्यक्रम के आयोजक विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि कई बार बिल्डर प्रोजेक्ट को बीच में ही छोड़ देते हैं या समय पर किराया नहीं देते, जिससे आम नागरिक बेघर हो जाते हैं। स्व-पुनर्विकास मॉडल में यह जोखिम शून्य हो जाता है। सोसाइटी खुद अपना आर्किटेक्ट और ठेकेदार (कांट्रैक्टर) चुनेगी। प्रोजेक्ट से होने वाला पूरा मुनाफा और अतिरिक्त FSI का लाभ सीधे सोसाइटी के सदस्यों को मिलेगा, जिससे उन्हें बड़े घर और बेहतर कॉर्पस फंड मिल सकेगा।

इस अवसर पर नगर रचना विभाग (Town Planning) और मुंबई बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि स्व-पुनर्विकास फाइलों को मंजूरी देने के लिए 'सिंगल विं

डो' सिस्टम शुरू किया जाएगा, ताकि कार्रवाई में न बर्बाद हो।



दहिसर चेक नाके के पास निर्माण कार्य को लेकर सवाल, प्रशासन से जांच की मांग

साई सन्निधि रेस्टोरेंट एंड बार के बगल में पर्दे लगाकर अंदर चल रहा काम; स्थानीय लोगों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया

मीरा रोड/दहिसर : दहिसर चेक नाके के पास स्थित साई सन्निधि रेस्टोरेंट एंड बार के बगल में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मौके पर चारों तरफ हरे रंग के पर्दे लगाकर अंदर का हिस्सा ढका गया है, जबकि पर्दे के पीछे निर्माण कार्य

में निर्माण कार्य के दौरान सड़क, पैदल आवागमन और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी ध्यान देने की जरूरत है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि निर्माण कार्य नियमानुसार और आवश्यक



जारी दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल को पूरी तरह पर्दे से ढकने के कारण अंदर किस प्रकार का काम चल रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी बाहर से नहीं मिल पा रही है। ऐसे में संबंधित विभाग द्वारा मौके का निरीक्षण कर निर्माण कार्य के लिए आवश्यक अनुमति और दस्तावेजों की जांच किए जाने की मांग की जा रही है। क्षेत्र में पहले से ही यातायात का दबाव रहता है। ऐसे

अनुमति के साथ किया जा रहा है या नहीं। यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नोट: इस खबर में निर्माण को सीधे "अवैध" नहीं कहा गया है, क्योंकि अनुमति/दस्तावेजों की आधिकारिक पुष्टि अभी उपलब्ध नहीं है। इससे खबर तथ्यात्मक और कानूनी रूप से अधिक सुरक्षित रहेगी।

किराया बढ़ाने की तैयारी के बीच बस सेवा पर सवाल

मीरा-भाईंदर परिवहन सेवा में सामान्य बसों का किराया बढ़ाने का प्रस्ताव, एसी बसों को सस्ता करने की योजना

मीरा-भाईंदर : मीरा-भाईंदर में सार्वजनिक परिवहन सेवा को लेकर एक ओर किराया संशोधन की तैयारी चल रही है, वहीं दूसरी ओर बसों की नियमितता और सेवा की गुणवत्ता को लेकर यात्रियों के सवाल भी सामने हैं। परिवहन व्यवस्था में बदलाव के तहत सामान्य बसों के किराये में दूरी के अनुसार बढ़ोतरी तथा एसी बसों के किराये में कमी का प्रस्ताव रखा गया है। प्रस्ताव के अनुसार सामान्य बसों के किराये में ₹२ से ₹१४ तक की बढ़ोतरी किए जाने की योजना है। वहीं एसी बसों के किराये में अलग-अलग दूरी के आधार पर ₹५ से ₹३० तक की कमी प्रस्तावित है।

खर्च बढ़ने का दिया जा रहा आधार

परिवहन व्यवस्था में ईंधन, बिजली, कलपुर्जों और बसों के रखरखाव पर होने वाले खर्च में वृद्धि को किराया संशोधन के प्रमुख कारणों में बताया गया है। सामान्य बसों की मौजूदा किराया दरें काफी समय से लागू हैं, जिसके चलते उन्हें संशोधित करने का प्रस्ताव सामने आया है।

एसी बसों के यात्रियों को राहत की उम्मीद
एसी बसों में अपेक्षित यात्री प्रतिसाद नहीं मिलने के

कारण उनके किराये को कम करने की योजना बनाई गई है। प्रशासन को उम्मीद है कि किराया कम होने से अधिक यात्री एसी बस सेवा का उपयोग कर सकते हैं।

किराये के साथ सेवा सुधार की भी उम्मीद
किराया संशोधन के प्रस्ताव के बीच यात्रियों की



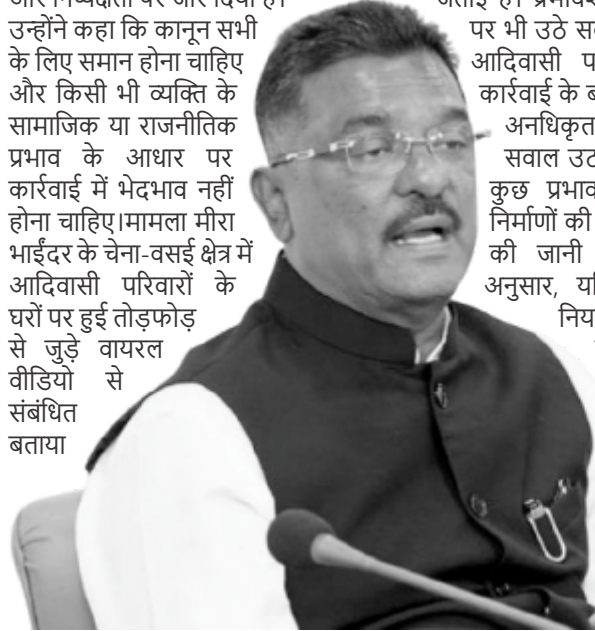
नजर अब बस सेवा में सुधार पर है। यात्रियों की अपेक्षा है कि किराये में बदलाव के साथ बसों की नियमितता, रखरखाव, समयबद्धता और उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। प्रस्ताव को संबंधित प्रक्रिया के तहत आगे रखा जाएगा। अंतिम निर्णय संबंधित प्राधिकरण की मंजूरी के बाद ही स्पष्ट होगा।

अवैध निर्माण के आरोपों पर सरस्ती के संकेत, निष्पक्ष जांच की मांग

आदिवासी बस्तियों में हुई कार्रवाई के साथ प्रभावशाली लोगों के कथित निर्माणों की भी जांच हो : प्रताप सरनाईक

मीरा भाईंदर : महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने अवैध निर्माण के मामलों में कार्रवाई को लेकर समानता और निष्पक्षता पर जोर दिया है।

उन्होंने कहा कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए और किसी भी व्यक्ति के सामाजिक या राजनीतिक प्रभाव के आधार पर कार्रवाई में भेदभाव नहीं होना चाहिए। मामला मीरा भाईंदर के चेना-वसई क्षेत्र में आदिवासी परिवारों के घरों पर हुई तोड़फोड़ से जुड़े वायरल वीडियो से संबंधित बताया



जा रहा है। इस मामले को लेकर सामने आए दावों के बीच सरनाईक ने संबंधित घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच किए जाने की आवश्यकता जताई है। प्रभावशाली लोगों के निर्माणों पर भी उठे सवाल बताया गया है कि आदिवासी परिवारों के घरों पर कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अन्य कथित अनधिकृत निर्माणों को लेकर भी सवाल उठाए गए। आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों से जुड़े निर्माणों की भी प्रशासन द्वारा जांच की जानी चाहिए। सरनाईक के अनुसार, यदि किसी निर्माण में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित व्यक्ति की पहचान या प्रभाव की परवाह किए बिना नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। वायरल वीडियो की सत्यता

जांचना जरूरी इस पूरे मामले में सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को लेकर भी सवाल उठे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वीडियो की वास्तविकता और उसके संदर्भ को प्रशासनिक स्तर पर जांचे जाने की आवश्यकता है। सरनाईक ने कथित वीडियो को अंतिम तथ्य मानने के बजाय आधिकारिक दस्तावेजों और सत्यापित तथ्यों के आधार पर मामले की जांच करने पर जोर दिया है। आदिवासी समुदाय के अधिकारों पर भी जोर सरनाईक ने पर्यावरणीय नियमों के पालन के साथ-साथ स्थानीय भूमिपुत्रों और आदिवासी समुदायों के कानूनी अधिकारों की रक्षा को भी महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि विकास कार्यों और नियमों के पालन के बीच प्रभावित नागरिकों के अधिकारों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच, उपलब्ध दस्तावेजों की पड़ताल और यदि नियमों का उल्लंघन प्रमाणित होता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही।

“यदि जांच में किसी कथित अनधिकृत निर्माण में नियमों के उल्लंघन प्रमाणित होता है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।”



प्रताप सरनाईक
महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं पालक मंत्री



मीरा-भाईंदर में सेवा संकल्प अभियान को नागरिकों का प्रतिसाद

संपत्ति हस्तांतरण और कर निर्धारण के लिए आयोजित विशेष शिविर में 561 आवेदन; मनपा के खाते में ₹19.57 लाख जमा

मीरा-भाईंदर : मीरा-भाईंदर महानगरपालिका की ओर से नागरिकों को संपत्ति कर एवं संपत्ति से संबंधित सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। संपत्ति हस्तांतरण और नई संपत्ति के कर निर्धारण से संबंधित इस विशेष शिविर में नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपने लंबित कामकाज को पूरा कराया। 13 अक्टूबर को आयोजित इस शिविर में कुल 561 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए संबंधित मामलों में कार्रवाई की गई। इस दौरान संपत्ति हस्तांतरण तथा कर निर्धारण शुल्क के रूप में ₹19.57 लाख का राजस्व महानगरपालिका के खाते में जमा हुआ।



नागरिकों को मौके पर मिली सुविधा

महानगरपालिका प्रशासन की ओर से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों को संपत्ति कर विभाग से संबंधित कार्यों के लिए बार-बार महानगरपालिका कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत देना था। स्थानीय स्तर पर शिविर आयोजित होने के कारण नागरिकों को अपने क्षेत्र के नजदीक ही आवेदन जमा करने और संबंधित प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। शिविर में संपत्ति हस्तांतरण, नई संपत्ति के कर निर्धारण तथा उससे जुड़े दस्तावेजों एवं प्रमाणपत्रों से संबंधित मामलों पर अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की गई। पात्र नागरिकों को प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराए गए।

महापौर और उपमहापौर ने वितरित किए प्रमाणपत्र शिविर के दौरान महापौर डिंपल मेहता और उपमहापौर

धुवकिशोर पाटील ने लाभार्थियों को संपत्ति हस्तांतरण एवं संबंधित प्रमाणपत्र वितरित किए। इस अवसर पर महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आयुक्त के निर्देश पर विशेष पहल

महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के निर्देशानुसार आयोजित इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को संपत्ति कर से जुड़ी सेवाएं उनके नजदीकी क्षेत्र में उपलब्ध कराना था। प्रशासन की ओर से इस तरह के शिविरों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण करने पर जोर दिया जा रहा है। शिविर में संपत्ति कर विभाग की उपयुक्त प्रणाली चौधरी भी उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने नागरिकों के आवेदनों की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई।

सरल और पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराने पर जोर

महानगरपालिका प्रशासन के अनुसार, सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नागरिकों को सरल, पारदर्शी और सुलभ सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संपत्ति कर विभाग से जुड़े कार्यों को नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ लंबित मामलों को समयबद्ध तरीके से निपटाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि उनके क्षेत्र में आयोजित होने वाले ऐसे विशेष शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और संपत्ति हस्तांतरण, कर निर्धारण तथा अन्य संपत्ति कर संबंधी कार्यों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर पूरा करवाएं।

सही खबर... सही मंच...

हमारा
मीरा-भाईंदर
(हिंदी साप्ताहिक)

स्थानीय खबरें | जनहित के मुद्दे | आपकी आवाज़

अब आपके हर जरूरी काम के लिए
एक ही जगह!

हमारा मीरा-भाईंदर
(हिंदी साप्ताहिक)
आपके विज्ञापन और
सेवाओं के लिए सदैव तत्पर



नाम परिवर्तन (Name Change)

किसी भी प्रकार के नाम परिवर्तन की सूचना प्रकाशित कराएं।



नोटिस (Notice)

किसी भी प्रकार का नोटिस छपवाएं।



विज्ञापन (Advertising)

अपने व्यवसाय, दुकान, सेवा, प्रोडक्ट या कार्यक्रम का विज्ञापन देकर अधिक लोगों तक पहुंचें।



दस्तावेज गुम गए हैं ?

गुनशुदा दस्तावेजों की सूचना/विज्ञापन प्रकाशित कराएं।



लीगल नोटिस (Legal Notice)

यगनूनी नोटिस प्रकाशित वनबावन अपने अधिकारों की रक्षा करें।



और भी बहुत कुछ...

- ✓ शुभकामना संदेश
- ✓ स्मृति लेख / श्रद्धांजलि
- ✓ व्यापारिक विज्ञापन
- ✓ सामाजिक / सांस्कृतिक कार्यक्रम
- ✓ और आपकी विशेष जरूरत के अनुसार



आपकी बात
हमारे अखबार के माध्यम से
हर घर तक...



विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें

810 88888 26 / 976 976 06 00

Email : hamaramirabhairdar@gmail.com

स्थानीय सोच | बेहिसाक आवाज़ | मजबूत समाज

मीरा रोड में मनसे का जोरदार हस्ताक्षर अभियान

चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग; मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, SIR रद्द करने और बैलेट पेपर से मतदान की मांग



मीरा रोड : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ओर से पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे के आह्वान पर मीरा रोड में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी मांगों के समर्थन में हस्ताक्षर किए। अभियान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी SIR प्रक्रिया को रद्द करने तथा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) के स्थान पर बैलेट पेपर से मतदान कराने जैसी मांगें प्रमुखता से उठाई गईं। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांगमनसे कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव प्रक्रिया को लेकर मतदाताओं का विश्वास बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से नागरिकों के बीच अभियान चलाकर उनकी राय और समर्थन दर्ज किया गया। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने नागरिकों से संवाद करते

हुए चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची और मतदान प्रणाली से संबंधित अपनी चिंताओं को सामने रखा। पार्टी की ओर से दावा किया गया कि बड़ी संख्या में नागरिकों ने अभियान में भाग लेकर मांगों के समर्थन में हस्ताक्षर किए। SIR को लेकर जताई आपत्तिमनसे की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण SIR को लेकर भी आपत्ति जताई गई। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रक्रिया में नागरिकों को पर्याप्त जानकारी और प्रक्रिया को लेकर स्पष्टता मिलनी चाहिए। पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने की मांग दोहराई तथा मतदाताओं से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। बैलेट पेपर से मतदान की मांग अभियान में EVM के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग भी रखी गई। मनसे नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि मतदान व्यवस्था को लेकर मतदाताओं के मन में किसी भी प्रकार की शंका नहीं रहनी चाहिए और चुनाव प्रक्रिया को लेकर विश्वास मजबूत होना चाहिए। राज ठाकरे के आह्वान पर शुरू किए गए इस अभियान को अन्य क्षेत्रों में भी आगे बढ़ाने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में चर्चा है। हालांकि, हस्ताक्षर अभियान में कितने लोगों ने भाग लिया, इसकी आधिकारिक संख्या खबर में उपलब्ध नहीं है।

RK INN HOTEL-BHARTI PARK में नीले रंग का निर्माण बना चर्चा का विषय

कथित अवैध बांधकाम पर उठे सवाल, क्या प्रशासन की नजर इस निर्माण पर नहीं पड़ी?

मीरा भाईंदर। RK INN Hotel-Bharti Park परिसर में नीले रंग से बनाया गया एक निर्माण इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। परिसर में दिखाई दे रहे इस निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों के बीच सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह निर्माण किसकी अनुमति से किया गया है और क्या यह स्वीकृत नियमों के अनुसार है? स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति ली गई है तो संबंधित विभाग द्वारा इसकी जानकारी स्पष्ट की जानी चाहिए। वहीं, यदि बिना अनुमति के निर्माण किया गया है, तो अब तक संबंधित प्रशासनिक विभागों की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी, यह भी जांच का विषय है। प्रशासन से जांच की मांग नागरिकों की मांग है कि महानगरपालिका के संबंधित विभाग द्वारा मौके का निरीक्षण किया जाए और निर्माण से जुड़े नक्शे, अनुमति तथा आवश्यक दस्तावेजों की जांच की

जाए। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि निर्माण नियमों के अनुरूप है या नहीं। शहर में छोटे-बड़े निर्माण कार्यों को लेकर प्रशासन द्वारा नियमों का पालन कराया जाता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि RK INN Hotel-Bharti Park परिसर में बने इस निर्माण की जानकारी संबंधित विभाग को है या नहीं? सवाल के घेरे में प्रशासन की निगरानी स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि निर्माण वैध है तो प्रशासन को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार

कार्रवाई होनी चाहिए। HMB News का सवाल—आखिर इस निर्माण की अनुमति किसने दी और संबंधित विभाग ने इसकी जांच की है या नहीं?

नोट: निर्माण को "अवैध" कहने की अंतिम पुष्टि संबंधित सरकारी विभाग की जांच के बाद ही होगी।



काशीमीरा में रक्तदान शिविर, 122 यूनिट रक्त संकलित

संत निरंकारी मिशन के शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने किया रक्तदान, जरूरतमंद मरीजों की मदद का संदेश

मीरा भाईंदर : काशीमीरा क्षेत्र में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की काशीमीरा शाखा की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लते हुए कुल 122 यूनिट रक्त का संकलन कराया। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित इस शिविर में संत निरंकारी मिशन के अनुयायियों के साथ स्थानीय नागरिकों ने भी रक्तदान किया। शिविर का आयोजन

कार्यकर्ताओं के सहयोग से शिविर की व्यवस्थाएं की गईं। निरंकारी ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रह की प्रक्रिया पूरी की। रक्तदाताओं के लिए आवश्यक प्राथमिक

का किया गया सम्मान शिविर के समापन अवसर पर आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। रक्तदान करने वाले लोगों को मिशन की ओर से स्मृति स्वरूप

साहित्य भेंट कर सम्मानित भी किया गया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है और एकत्रित किया गया रक्त जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोगी साबित हो सकता है। शिविर के माध्यम से समाज



स्थानीय स्तर पर जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। ब्लड बैंक की टीम ने संभाली व्यवस्था स्थानीय पदाधिकारियों और

व्यवस्थाएं भी शिविर स्थल पर उपलब्ध कराई गई थीं। शिविर के दौरान आयोजकों की ओर से लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करने तथा जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आने का संदेश दिया गया। रक्तदाताओं

में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने भविष्य में भी इसी तरह के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

Key Emergency Numbers

General Emergency

112

Police

100

Mira Bhayandar-

Vasai Virar Police Control Room:
022-29452135 / 8657936942

Fire Department

101

MBMC Fire Station

Contacts: 022-28197637

Ambulance / Medical:

108

Cyber Crime Helpline:

1930

महाराष्ट्र में मिलावटी मसालों पर FDA की सख्ती, दुकानों और कारखानों में होगी जांच

आयुक्त तुकाराम मुंडे के निर्देश पर विशेष अभियान, मसालों के नमूने लेकर होगी गुणवत्ता की जांच



मसाला उत्पादकों, व्यापारियों और दुकानदारों की निगरानी बढ़ाई जाएगी।

मसालों में केमिकल और नकली रंगों की मिलावट पर नजर

बाजार में मसालों को अधिक चमकदार और आकर्षक दिखाने के लिए कुछ उत्पादों में कृत्रिम रंगों और रसायनों की मिलावट किए जाने की

होने की आशंका रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मसालों की गुणवत्ता और शुद्धता की जांच पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया है।

दुकानों से लेकर मसाला कारखानों तक होगी जांच

FDA आयुक्त तुकाराम मुंडे के निर्देश पर विभाग की टीम मसाला निर्माण इकाइयों, मिलों, गोदामों, थोक विक्रेताओं और खुदरा दुकानों का निरीक्षण कर सकती है। जांच के दौरान विभिन्न मसालों के नमूने एकत्र कर उन्हें प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि मसालों में प्रतिबंधित रंग, हानिकारक रसायन या अन्य मिलावटी पदार्थ तो नहीं मिलाए गए हैं। इसके साथ ही उत्पादन, भंडारण और बिक्री के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी।

मिलावट पाए जाने पर होगी कानूनी कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सभी खाद्य उत्पादकों और विक्रेताओं के लिए निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन करना अनिवार्य है। जांच में मिलावट या प्रतिबंधित रसायनों

के इस्तेमाल की पुष्टि होने पर संबंधित निर्माता अथवा विक्रेता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन का उद्देश्य केवल मिलावट करने वालों पर कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि बाजार में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी है।

नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

मसाले हर घर की रसोई का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। रोजाना भोजन में इस्तेमाल होने वाले मसालों की शुद्धता सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। ऐसे में मिलावटी मसालों की बिक्री रोकना बेहद जरूरी है। FDA की इस पहल से मसाला कारोबार में पारदर्शिता बढ़ने और मिलावट पर अंकुश लगने की उम्मीद है। साथ ही उपभोक्ताओं को भी मसाले खरीदते समय पैकेट पर निर्माता का नाम, लाइसेंस विवरण, निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट की जांच करने की सलाह दी जाती है। महाराष्ट्र में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ सख्त निगरानी से आम नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण मसाले उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

मुंबई | हमारा मीरा भाईंदर प्रतिनिधि। महाराष्ट्र में आम नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने सख्त रुख अपनाया है। बाजार में बिकने वाली

हल्दी, लाल मिर्च, धनिया सहित विभिन्न मसालों में हानिकारक रसायनों और प्रतिबंधित कृत्रिम रंगों की मिलावट रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। FDA आयुक्त तुकाराम मुंडे के निर्देश पर

आशंका रहती है। विशेष रूप से हल्दी और लाल मिर्च पाउडर में प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। ऐसे मिलावटी मसालों के लगातार सेवन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न



AL AQSA

OVERSEAS MANPOWER CONSULTANT

ISO CERTIFIED COMPANY

Your Dreams Our Priority

FREE REQUIREMENT & FREE VISA

FOR UAE & OMAN



STEEL FIXER



MASON



SHUTTERING CARPENTER



HELPER

- ✓ Free Requirement
- ✓ Free Visa
- ✓ Free Accommodation
- ✓ Free Transportation
- ✓ Attractive Salary
- ✓ Good Working Hours

CONTACT NUMBER :

9820160143



E-MAIL :

alaqsa8888@gmail.com

GAUHHAR SHAH BABA TRUST

की तरफ से उपलब्ध कराई जा रही है

AMBULANCE सेवा

बिल्कुल मुफ्त

सेवा ही इबादत है



गुस्ल • कफन
यह सारी सुविधा भी बिल्कुल मुफ्त

Bilal Gulam Rasool Patel Trust

Contact Number :

9833968860

/ 8767861188



मानव तस्करी के पूरे नेटवर्क पर शिकंजा कसना जरूरी : डीजीपी सदानंद दाते

‘न्यायसेतु 2026’ कार्यशाला में डीजीपी ने दिए निर्देश, आधुनिक तकनीक से जांच और पीड़ितों की सुरक्षा पर विशेष जोर

मुंबई, प्रतिनिधि। मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए केवल आरोपियों को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस अवैध कारोबार से जुड़े पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर उसे जड़ से खत्म करना जरूरी है। महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सदानंद दाते ने पुलिस अधिकारियों से मानव तस्करी के मामलों में गहन जांच करने और अपराध से जुड़े सभी लोगों तक पहुंचने का आह्वान किया। मुंबई स्थित पुलिस महानिदेशक कार्यालय के दरबार हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला ‘न्यायसेतु 2026’ में उन्होंने यह बात कही। महाराष्ट्र पुलिस और प्रकृति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में मानव तस्करी की रोकथाम, प्रभावी जांच, आधुनिक तकनीक और पीड़ितों के पुनर्वास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

आरोपी की गिरफ्तारी नहीं, पूरे गिरोह का खुलासा हो
डीजीपी सदानंद दाते ने कहा कि मानव तस्करी के मामलों की जांच केवल एक आरोपी तक सीमित नहीं होनी चाहिए। पुलिस अधिकारियों को अपराध की शुरुआत से लेकर उसके अंतिम स्तर तक जुड़े सभी व्यक्तियों और गतिविधियों की जांच करनी होगी।

इसके लिए ‘बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज’ की जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया के माध्यम से मानव तस्करी में शामिल दलालों, सहयोगियों, आर्थिक लेनदेन और अन्य संबंधित

लगाई जा सकेगी।

आधुनिक तकनीक और एआई के इस्तेमाल पर जोर
डीजीपी ने कहा कि बदलते समय के साथ अपराध करने के तरीके भी तेजी

भी अपनी जांच प्रणाली को आधुनिक बनाना होगा। उन्होंने अधिकारियों से तकनीकी जानकारी बढ़ाने और अपराध की जांच में आधुनिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने की

नए कानूनों और जांच प्रक्रियाओं की दी गई जानकारी

कार्यशाला की प्रस्तावना में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (महिला एवं बाल अपराध रोकथाम) अश्वती दोरजे ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को मानव तस्करी से जुड़े नए अपराध तरीकों, आर्थिक लेनदेन और आधुनिक तकनीकी पहलुओं की जानकारी देना है। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों को नए कानूनी प्रावधानों, संवैधानिक नियमों और न्यायालयों के महत्वपूर्ण फैसलों से भी अवगत कराया गया, ताकि मानव तस्करी के मामलों की जांच अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। इस अवसर पर पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. पी. एम. नायर, महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की सदस्य सचिव नंदिनी आओडे और विशेष पुलिस महानिरीक्षक शारदा राउत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त पुलिस उप अधीक्षक मदन पाटिल ने किया। कार्यशाला में मानव तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को अधिक प्रभावी बनाने, अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने और पीड़ितों को समय पर न्याय एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।



कड़ियों का पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूरे नेटवर्क को उजागर करने से ही इस प्रकार के संगठित अपराधों पर प्रभावी रोक

से बदल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल माध्यमों और नई तकनीकों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए पुलिस अधिकारियों को

आवश्यकता जताई। इसके साथ ही मानव तस्करी विरोधी विशेष इकाइयों के प्रशिक्षण और पुलिसकर्मियों के कौशल विकास को भी जरूरी बताया।

AIMIM नगरसेविका सहर शेख के पिता यूनुस शेख की शिवसेना से जुड़े संगठन में नियुक्ति, मुंब्रा की राजनीति में हलचल

‘कैसा हराया...’ बयान से चर्चा में आई सहर शेख के पिता को मिली अहम जिम्मेदारी, राजनीतिक समीकरण बदलने की अटकलें तेज

ठाणे प्रतिनिधि। ठाणे जिले के मुस्लिम बहुल मुंब्रा इलाके में एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। AIMIM की चर्चित नगरसेविका सहर शेख के पिता यूनुस शेख को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना से जुड़े संगठन ‘केबल सेना’ का कलवा-मुंब्रा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने का पत्र सामने आया है। इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, नियुक्ति पत्र सामने आने के बावजूद यूनुस शेख के औपचारिक रूप से शिवसेना में शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है।

सहर शेख के वायरल बयान से शुरू हुई थी चर्चा
ठाणे महानगरपालिका चुनाव में मुंब्रा के वार्ड क्रमांक ३० से AIMIM के टिकट पर जीत हासिल करने वाली सहर शेख अपने विजय भाषण के कारण सुर्खियों में आई थीं। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने स्थानीय विधायक जितेंद्र आव्हाड पर निशाना साधते हुए ‘कैसा हराया...’ कहा था। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर

तेजी से वायरल हुआ था। इसी दौरान मुंब्रा को हरे रंग से रंगने संबंधी उनके बयान पर भी राजनीतिक विवाद खड़ा

चर्चाओं को और बढ़ा दिया है।
नियुक्ति पत्र में एकनाथ शिंदे के नाम का उल्लेख



हुआ था। महायुति और शिवसेना के कई नेताओं ने उनके बयान की आलोचना की थी। अब उनके पिता को शिवसेना से जुड़े संगठन में जिम्मेदारी दिए जाने की खबर ने राजनीतिक

सामने आए नियुक्ति पत्र में यूनुस शेख को कलवा-मुंब्रा केबल सेना का अध्यक्ष बनाए जाने का उल्लेख है। पत्र में एकनाथ शिंदे के आशीर्वाद और उनके आदेश से नियुक्ति किए जाने का दावा

किया गया है। हालांकि, यूनुस शेख की ओर से इस नियुक्ति को लेकर इनकार किए जाने की बात भी सामने आई है। ऐसे में उनकी वास्तविक राजनीतिक भूमिका को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

कभी जितेंद्र आव्हाड के करीबी माने जाते थे यूनुस शेख
यूनुस शेख पहले राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी

के शरद पवार गुट के नेता एवं कलवा-मुंब्रा के विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक माने जाते थे। लेकिन बाद में दोनों के बीच राजनीतिक मतभेद पैदा

हो गए। बताया जाता है कि महानगरपालिका चुनाव के दौरान यूनुस शेख ने अपनी बेटी सहर शेख के लिए शरद पवार गुट से टिकट मांगा था। टिकट नहीं मिलने के बाद सहर शेख ने AIMIM के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद पिता-पुत्री ने जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई थी।

मुंब्रा में बदलेंगे राजनीतिक समीकरण?

मुंब्रा से AIMIM के पांच नगरसेवक निर्वाचित हुए हैं। इनमें सहर शेख और उनके पिता यूनुस शेख लगातार राजनीतिक चर्चाओं में रहे हैं। ऐसे में शिवसेना से जुड़े संगठन में यूनुस शेख की नियुक्ति का मामला स्थानीय राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यूनुस शेख वास्तव में शिंदे की शिवसेना के करीब आ रहे हैं या यह केवल संगठनात्मक नियुक्ति तक सीमित मामला है। फिलहाल इस घटनाक्रम ने मुंब्रा की राजनीति में नई अटकलों को जन्म दे दिया है।

दिल्ली पुलिस को धमकी देने वाला 27 वर्षीय युवक गिरफ्तार

१२ घंटे के भीतर देश की अर्थव्यवस्था तबाह करने की धमकी,
काशिगांव पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को पकड़ा

मीरा-भायंदर: दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर १२ घंटे के भीतर भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करने की धमकी देने के मामले में मीरा-भायंदर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए २७ वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान निखिल सुदर्शन शर्मा के रूप में हुई है।

आधार पर आरोपी का पता लगाया। पुलिस ने सूचना मिलने के करीब एक घंटे के भीतर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी द्वारा धमकी भरा फोन किए जाने की जानकारी सामने आई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी कुछ बातें सामने



पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, १४ अक्टूबर को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय को सूचना मिली कि काशिगांव पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर गंभीर धमकी दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए काशिगांव पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल नंबर और अन्य खुफिया जानकारियों के

आई हैं। मामले में आगे की जांच काशिगांव पुलिस की अपराध प्रकटीकरण टीम कर रही है। पुलिस की नागरिकों से अपील मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, धमकी या सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ी जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस तरह की धमकियों को गंभीरता से लिया जाता है और मामले की जांच तथ्यों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाती है।

रिश्वत मामले में राशनिंग इंस्पेक्टर को एक साल की सश्रम कारावास की सजा

ठाणे की अतिरिक्त सत्र अदालत ने सुनाया फैसला,
५ हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

भाईंदर: राशन की दुकान की जांच कर गबन के मामले में कानूनी कार्रवाई रोकने के लिए एक महिला शिकायतकर्ता से 3 हजार रुपये की रिश्वत मांगने के जुर्म में राशनिंग इंस्पेक्टर विजयकुमार कचेश्वर वाघ को ठाणे की अतिरिक्त सत्र अदालत ने एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

उन्होंने 3 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। इस मामले में जनवरी २०१६ में नयानगर पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम १९८८ की धारा ७ के तहत मामला दर्ज किया गया था। ठाणे की अतिरिक्त सत्र अदालत में मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने आरोपी विजयकुमार वाघ



इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर 5 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), ठाणे परिक्षेत्र ने यह कार्रवाई जनवरी 2016 में की थी। एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाती है। एसीबी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विजयकुमार वाघ भाईंदर स्थित ४१/फ राशन कार्यालय में राशनिंग इंस्पेक्टर के रूप में तैनात थे। उन्होंने अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए शिकायतकर्ता महिला सेहल पवार की राशन दुकान की जांच की थी। इसके बाद दुकान में गबन की कार्रवाई न करने के बदले

को दोषी पाया और सजा सुनाई। इस मामले की जांच पुलिस निरीक्षक बाला कुंभार ने की थी और उन्होंने ही कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। यह पूरी कार्रवाई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटील के मार्गदर्शन में अपर पुलिस अधीक्षक सुहास शिंदे की देखरेख में पूरी की गई। कोर्ट में सरकारी वकील पावसे ने सरकार का पक्ष रखा। इसके साथ ही ट्रायल ऑफिसर पुलिस उपअधीक्षक रुपाली पोळ, कोर्ट पैरवी अधिकारी अनिता पाटील और पुलिस हवलदार सतीश ठाकरे ने मामले की अदालती कार्यवाही में सहयोग किया।

गरबा के दौरान हुए विवाद के बाद पुलिस थाने में मारपीट

नयानगर पुलिस थाने के परिसर में हंगामा,
चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नयानगर, हमारा मीरा भाईंदर प्रतिनिधि। नवरात्रि उत्सव के दौरान गरबा कार्यक्रम में हुए विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब विवाद से जुड़े दो गुटों के बीच नया नगर पुलिस थाने के परिसर में ही मारपीट हो गई। इस घटना से पुलिस थाने की सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को

करना शुरू कर दिया। इससे थाने के आसपास कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। पुलिस थाने जैसे संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार की घटना होने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कानून की रक्षा करने वाली संस्था के परिसर में ही मारपीट होना गंभीर मामला माना जा रहा



लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मीरा रोड के शांतिनगर सेक्टर क्रमांक ३ में आयोजित 'मित्र उत्सव' सार्वजनिक नवरात्रि गरबा कार्यक्रम के दौरान दो गुटों के बीच विवाद हुआ था। विवाद की शिकायत दर्ज कराने के लिए दोनों पक्षों के लोग नया नगर पुलिस थाने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि १३ अक्टूबर की रात करीब १२ बजे दोनों गुटों के लोग पुलिस थाने में मौजूद थे। इसी दौरान विवाद सुलझने के बजाय और बढ़ गया। आरोप है कि विवाद में शामिल कुछ लोगों ने पुलिस थाने के परिसर में एक-दूसरे को धक्का देना और मारपीट

है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों में सचिन गुप्ता, मोहित चौरसिया, प्रदीप पटेल और तरुण मकवाना के नाम शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ नया नगर पुलिस थाने में दंगा और मारपीट से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस घटना की आगे की जांच नया नगर पुलिस थाने के पुलिस उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर कोकाटे कर रहे हैं। नवरात्रि जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के दौरान शुरू हुआ विवाद पुलिस थाने तक पहुंचने और वहां मारपीट होने से स्थानीय स्तर पर चिंता व्यक्त की जा रही है।

भाईंदर में इमिटेशन ज्वेलरी कारखाने से 24 हजार रुपये के नेकलेस चोरी

कारखाने में काम करने वाले कर्मचारी पर चोरी का आरोप,
नवघर पुलिस थाने में मामला दर्ज

भाईंदर, हमारा मीरा भाईंदर प्रतिनिधि। भाईंदर पूर्व स्थित एक इमिटेशन ज्वेलरी कारखाने से करीब 24 हजार रुपये कीमत के पीतल के नेकलेस चोरी होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कारखाने में काम करने वाले एक कर्मचारी ने ही 12 किलो वजन के नेकलेस चोरी कर लिए। इस मामले में नवघर पुलिस थाने में संदिग्ध कर्मचारी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, भाईंदर पूर्व के एक गली क्षेत्र में सोमन सपन पात्रा का 'पलक आर्ट' नामक इमिटेशन ज्वेलरी का कारखाना है। इस कारखाने में सद्दाम हुसैन (३६ वर्ष) कर्मचारी के रूप में काम करता था। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, ११ अक्टूबर की दोपहर करीब १ बजे से १२ अक्टूबर की सुबह १० बजे के बीच कारखाने में रखे पीतल से बने नेकलेस चोरी हो गए। चोरी हुए नेकलेस का कुल वजन लगभग १२ किलो बताया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब २४ हजार रुपये है। कारखाने से नेकलेस गायब होने की जानकारी मिलने के बाद मामले की जांच-पड़ताल की गई।

इस दौरान कारखाने में काम करने वाले कर्मचारी सद्दाम हुसैन पर नेकलेस चोरी करने का संदेह जताया गया। आरोप है कि कर्मचारी ने कारखाने में रखे नेकलेस बिना अनुमति के निकाल लिए। इस संबंध में कारखाना संचालक की शिकायत पर नवघर पुलिस थाने में संदिग्ध कर्मचारी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। इमिटेशन ज्वेलरी के कारखाने में हुई इस चोरी की घटना ने कर्मचारियों पर भरोसे और कारखानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।



भाईंदर में इमिटेशन ज्वेलरी कारखाने से
24 हजार रुपये के नेकलेस चोरी

साप्ताहिक राशिफल

हमारा मीरा भाईंदर

साप्ताहिक राशिफल

17 से 23 अक्टूबर 2026

राशिफल से शुभाचार तक

सितारे बदलते हैं
आपके आने वाले
कल को बेहतर
बनाने के लिए


मेष (21 मार्च - 19 अप्रैल)

आप अपने अच्छे स्वभावबल व बुद्धि के बल पर सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। नौकरी में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आय के नए साधन बन सकते हैं। दीर्घकालिक एवं योजना सफल होगी।


वृषभ (20 अप्रैल - 20 मई)

अधिक खर्च व हो सकता है। व्यापार के लिए नया प्रयास करेंगे तो धनलाभ संभव है। नौकरी में परिवर्तन व नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।


मिथुन (21 मई - 20 जून)

रुके हुए कार्यों के पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। धन लाभ के योग बनेंगे। संतान की प्रगति से मन में प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है। यात्रा संभव है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।


कर्क (21 जून - 22 जुलाई)

रुका हुआ धन मिलेगा और लेन-देन में सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। व्यापार में विस्तार के योग हैं। नौकरी में उच्च अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।


सिंह (23 जुलाई - 22 अगस्त)

व्यावसायिक व सामाजिक क्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। धन लाभ के योग हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।


कन्या (23 अगस्त - 22 सितंबर)

विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। मेहनत का फल मिलेगा। व्यापार में लाभ के योग हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कार्यभार अधिक रह सकता है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।


तुला (23 सितंबर - 22 अक्टूबर)

नए कार्यों की शुरुआत के लिए समय शुभ है। धन लाभ के योग हैं। व्यवसाय में विस्तार होगा। संबंधों में मधुरता आएगी। नौकरी में सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।


वृश्चिक (23 अक्टूबर - 21 नवंबर)

किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। धन लाभ के योग हैं। व्यवसाय में उन्नति होगी। नौकरी में पदोन्नति संभव है। दांपत्य जीवन में सुख मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।


धनु (22 नवंबर - 21 दिसंबर)

यात्रा के योग बनेंगे। विदेश से संबंधित कार्य सफल होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।


मकर (22 दिसंबर - 19 जनवरी)

मेहनत का फल मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। धन आगमन के योग हैं। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में उच्च अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।


कुंभ (20 जनवरी - 18 फरवरी)

नए संपर्क लाभदायक होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।


मीन (19 फरवरी - 20 मार्च)

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। धन लाभ के योग हैं। व्यापार में नई योजनाएं बनेंगी। नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे। परिवार में सुख-शांति रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें

सकारात्मक सोच, बेहतर कल...

HMB NEWS

विशेष सलाह: राशिफल सामान्य ज्योतिषीय संकेतों पर आधारित है। महत्वपूर्ण आर्थिक, स्वास्थ्य या कानूनी निर्णय केवल राशिफल के आधार पर न लें।

गोरेगांव में दर्दनाक घटना: 18 महीने के मासूम की मौत, 10 वर्षीय बच्ची की भूमिका की पुलिस जांच

सोसायटी में हुई घटना से मचा हड़कंप, CCTV फुटेज के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल में जुटी पुलिस

मुंबई: गोरेगांव पूर्व की एक रिहायशी सोसायटी में १४ अक्टूबर की रात करीब ९ बजे एक बेहद दुखद घटना सामने आई, जिसमें १८ महीने के एक मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद पूरी सोसायटी में हड़कंप मच गया। मामले में १० वर्षीय एक नाबालिग बच्ची की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। पड़ोस में रहने वाले बच्चों के बीच हुआ घटनाक्रम प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, १० वर्षीय बच्ची पड़ोस में रहने वाले परिवार के घर आई थी। बताया जा रहा है कि वह १८ महीने के मासूम के साथ खेल रही थी। इसी दौरान दोनों के बीच हुए घटनाक्रम के बाद मासूम इमारत के डक्ट में जा गिरा। घटना के तुरंत बाद परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मासूम को बचाने और घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार तथा आसपास के लोगों में चिंता फैल गई। हालांकि, तब तक काफी देर हो चुकी थी और मासूम की मौत हो गई। CCTV फुटेज ने सामने रखी घटना की

अहम कड़ी घटना के बाद इमारत में लगे CCTV कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की गई। बताया जा रहा है कि कैमरे में घटना से पहले और उसके आसपास की गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना किस परिस्थिति में हुई, उस समय वहां कौन-कौन मौजूद था और घटना से

पहले तथा बाद में क्या हुआ। CCTV फुटेज के अलावा पुलिस उपलब्ध अन्य जानकारी और प्रत्यक्षदर्शियों से भी

में मातम छा गया। इतनी कम उम्र में बच्चे की मौत से परिजनों का दुख गहरा है। वहीं, घटना में नाबालिग बच्ची का नाम सामने आने से सोसायटी के अन्य परिवार भी स्तब्ध हैं। स्थानीय लोगों के बीच इस घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा, सोसायटी की निगरानी व्यवस्था और इमारत के खुले अथवा संवेदनशील हिस्सों की सुरक्षा को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

नाबालिग होने के कारण संवेदनशीलता के साथ जांचमामले में १० वर्षीय बच्ची का नाम सामने आया है, इसलिए जांच का पूरा विषय संवेदनशील है। पुलिस द्वारा घटना की वास्तविक परिस्थितियों को समझने के लिए उपलब्ध CCTV फुटेज और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। किसी भी नाबालिग के संबंध में पहचान उजागर करना उचित नहीं है। पुलिस जांच के बाद साफ होगी पूरी तस्वीर फिलहाल इस घटना को लेकर अंतिम निष्कर्ष पुलिस की जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही सामने आएगा। घटना के पीछे वास्तव में क्या परिस्थितियां थीं और मासूम की मौत किस क्रम में हुई, इसका स्पष्ट पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। **नोट:** यह समाचार उपलब्ध प्रारंभिक जानकारी पर आधारित है। मामले से जुड़े अंतिम तथ्य संबंधित पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होंगे।



मुंबई क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

डिजिटल अरेस्ट से बचने वाला बना साइबर ठगी का मददगार इंदौर से ग्राफिक डिजाइनर पंकज गुप्ता गिरफ्तार

APK फाइल और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने के आरोप में मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने की कार्रवाई

मुंबई | साइबर अपराध से जुड़े एक चौकाने वाले मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने इंदौर निवासी 36 वर्षीय ग्राफिक डिजाइनर पंकज गुप्ता को कथित तौर पर साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल होने वाली APK फाइलें और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

9,600 लोगों से 150 करोड़ की ठगी का आरोप

पुलिस के अनुसार, आरोपी पर बिहार और झारखंड से जुड़े साइबर ठगी गिरोहों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का आरोप है। जांच में कथित तौर पर 9,600 लोगों को निशाना बनाए जाने और लगभग 150 करोड़ रुपये की ठगी की जानकारी सामने आई है।



मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए इंदौर के ग्राफिक डिजाइनर पंकज गुप्ता (मुख्य आरोपी) के साथ पुलिस अधिकारी।

डिजिटल अरेस्ट से बचने के बाद ठगी में उतरा

पुलिस की पुछवाछ में सामने आया है कि करीब पांच साल पहले पंकज गुप्ता खुद एक 'डिजिटल अरेस्ट' थोखाधड़ी का शिकार होने से बचा था। इसके बाद उन्ने साइबर अपराध की कार्यप्रणाली को समझा और बाद में इसी शैल में तकनीकी काम करने लगा।

वरिष्ठ नागरिक से 5.62 लाख की ठगी के बाद खुला मामला

मामले की शुरुआत मुंबई के भायखला इलाके में रहने वाले एक वरिष्ठ नागरिक की शिकायत से हुई, जिन्हें एक अज्ञात कॉल कर बैंक प्रतिमिथि बनकर योजना का झांसा दिया गया। भेद्ये गए APK लिंक के जरिए उनके खाते से 5.62 लाख रुपये निकाले गए।

इंदौर से गिरफ्तारी, नेटवर्क की जांच जारी

मुंबई क्राइम ब्रांच की तकनीकी टीम ने डिजिटल सुरागों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया, जिसके बाद इंदौर से पंकज गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों और ठगी की रकम के लेन-देन की भी जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है

“आरोपी द्वारा तैयार की गई APK फाइलों और सॉफ्टवेयर के जरिए साइबर ठगों को मदद पहुंचाई गई। मामले में कई और लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। अंतिम तथ्य जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होंगे।

— मुंबई क्राइम ब्रांच

नोट: आरोप जांच के विषय है। मामले में दोषसिद्धि अदालत में साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही तय होगी।

‘जेलर 2’ में कुछ सेकंड के कैमियो के लिए ऋतिक रोशन को मिले 25 करोड़? फीस ने चौंकाया

‘जेलर 2’ में कुछ सेकंड के कैमियो के लिए ऋतिक रोशन को मिले 25 करोड़? फीस ने चौंकाया रजनीकांत की फिल्म में ऋतिक रोशन की छोटी-सी झलक बनी चर्चा का विषय, सितारों की करोड़ों की फीस को लेकर सोशल मीडिया पर हलचल

मुंबई प्रतिनिधि। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की बहुचर्चित फिल्म ‘जेलर 2’ एक बार फिर सुर्खियों में है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के कथित कैमियो और उसके लिए ली गई भारी-भरकम फीस की खबर ने फिल्मी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ऋतिक रोशन ने फिल्म में एक मिनट से भी कम समय की भूमिका के लिए करीब 25 करोड़ रुपये की फीस ली है। हालांकि, इस रकम को लेकर फिल्म निर्माताओं या अभिनेता की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रजनीकांत की फीस भी चर्चा में

ऋतिक रोशन के अलावा फिल्म के अन्य कलाकारों की फीस को लेकर भी कई दावे सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुपरस्टार रजनीकांत की कुल फीस करीब 1.6 करोड़ रुपये बताई जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रजनीकांत की मूल फीस लगभग 1.1 करोड़ रुपये थी, जबकि बाकी रकम फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी से जुड़ी बताई गई है। वहीं, अभिनेत्री विद्या बालन को करीब 6 करोड़ रुपये और अभिनेता शिव राजकुमार को लगभग 4 करोड़ रुपये मिलने का दावा किया गया है। इन आंकड़ों की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बड़े सितारों के कारण बड़ी फिल्म की चर्चा

जेलर 2 का निर्देशन नेल्सन दिलीप

कुमार ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर अनिरुद्ध रविचंद्र ने तैयार किया है। रजनीकांत की लोकप्रियता और फिल्म से जुड़े बड़े कलाकारों के कारण ‘जेलर 2’ को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। खासकर ऋतिक रोशन के कथित कैमियो और उनकी फीस को लेकर सामने आई खबरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन रही हैं। फिलहाल 25 करोड़ रुपये की फीस का दावा आधिकारिक रूप से प्रमाणित नहीं है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म निर्माता या ऋतिक रोशन इस मामले पर कोई स्पष्टीकरण देते हैं या नहीं।



शादी की 14वीं सालगिरह पर करीना कपूर ने लुटाया प्यार, सैफ अली खान के रोमांटिक जवाब ने जीता दिल

पति के साथ खास तस्वीरें शेयर कर करीना ने कहा—अभी पूरी जिंदगी साथ बितानी है, सैफ के प्यारे कमेंट ने खींचा प्रशंसकों का ध्यान



है। उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है।

सैफ के रोमांटिक जवाब ने जीता

दिल करीना की पोस्ट पर सैफ अली खान ने भी अपने खास अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्यार भरा कमेंट करते हुए लिखा, “मैं सोचता हूँ कि इन सबके बारे में चांद क्या सोचता होगा। सालगिरह मुबारक हो, माई लव।” सैफ के इस रोमांटिक जवाब ने दोनों के प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर लोग इस जोड़ी की तारीफ करते हुए उन्हें

शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

परिवार और बॉलीवुड सितारों ने दी बधाई

करीना और सैफ की शादी की सालगिरह पर परिवार के सदस्यों और फिल्म इंडस्ट्री के दोस्तों ने भी शुभकामनाएं दीं। सैफ की बहन सबा पटौदी और सोहा अली खान ने दोनों को बधाई दी। वहीं, मलाइका अरोड़ा और

रिद्धिमा कपूर साहनी सहित कई हस्तियों ने भी करीना की पोस्ट पर प्यार जताया। करीना और सैफ की जोड़ी बॉलीवुड के चर्चित कपल्स में गिनी जाती है। दोनों अपनी फिल्मों के साथ-साथ पारिवारिक जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं।

सैफ की इंस्टाग्राम पर एंट्री भी बनी चर्चा का विषय

शादी की सालगिरह के बीच सैफ अली खान के इंस्टाग्राम अकाउंट को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सामने आई जानकारी के मुताबिक, अभिनेता ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि सैफ इंस्टाग्राम पर करीना कपूर, करिश्मा कपूर, सारा अली खान, इब्राहिम अली खान और सोहा अली खान सहित कुछ चुनिंदा लोगों को फॉलो कर रहे हैं।

14 साल बाद भी बरकरार है प्यार
करीना कपूर और सैफ अली खान ने 14 अक्टूबर 2012 को शादी की थी। दोनों के दो बेटे तैमूर अली खान और जहांगीर अली खान हैं। शादी के 14 साल पूरे होने के बाद भी दोनों के बीच प्यार और आपसी समझ की झलक अक्सर देखने को मिलती है। करीना की प्यार भरी पोस्ट और सैफ के रोमांटिक जवाब ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह जोड़ी अपने रिश्ते की खूबसूरती से प्रशंसकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए है।

मुंबई: बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी करीना कपूर खान और सैफ अली खान अपनी शादी की 14वीं सालगिरह को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों की खूबसूरत केमिस्ट्री और एक-दूसरे के प्रति प्यार हमेशा प्रशंसकों का दिल जीतता रहा है। इस खास मौके पर करीना कपूर ने सोशल मीडिया पर पति सैफ अली खान के साथ कई यादगार तस्वीरें साझा कर अपने प्यार का इजहार किया। वहीं,

सैफ ने भी बेहद रोमांटिक अंदाज में जवाब देकर प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। छवि प्रभावित हो सकती है।

करीना ने तस्वीरों के साथ जाहिर किया प्यार

करीना कपूर खान ने अपनी शादी की सालगिरह पर इंस्टाग्राम पर कुछ खास और अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में करीना और सैफ एक-दूसरे

के साथ खूबसूरत पल बिताते नजर आ रहे हैं। कुछ तस्वीरों में सैफ मस्ती भरे अंदाज में दिखाई दे रहे हैं, जबकि अन्य तस्वीरों में वह अपने बच्चों के साथ समय बिताते नजर आते हैं। इन तस्वीरों के साथ करीना ने बेहद प्यारा संदेश लिखा। उन्होंने अपने रिश्ते का एक और साल पूरा होने की खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अभी एक-दूसरे के साथ बिताने के लिए पूरी जिंदगी बाकी

PRGI. REG. NO. MHHIN/26/3992

हमारा मीरा भाईंदर

HMB

NEWS

(हिंदी साप्ताहिक)

हर दिन डिजिटल पर
हर हफ्ते प्रिंट मेंमीरा-भाईंदर की हर खबर
सबसे पहले, सबसे सटीक!हम
सोशल मीडिया
पर भी
हर पल
आपके साथताजा खबरें
हर दिनग्राउंड रिपोर्ट
सीधी, सच्चीविश्लेषण
बिना पक्षपातजनता की आवाज
आपके साथस्थानीय खबरों का भरोसेमंद मंच
हमारा मीरा भाईंदर (HMB NEWS)

आज ही जुड़ें हमसे

976 976 06 00 / 810 88888 26

e-MAIL :
hamaramirabhaindar@gmail.comWebsite :
hmbnews.in

सच के साथ, हमेशा...

हमारा मीरा भाईंदर
DIRECTORY - ANNUALजल्द ही आपके शहर में
शुरू होने वाला है!मीरा भाईंदर की अपनी वार्षिक डायरेक्टरी
एक ही जगह मिलेगी आपके काम की जरूरी जानकारी—हमारा मीरा भाईंदर –
SHOWROOM • SHOP •
BUSINESSहमारा मीरा भाईंदर –
SCHOOL • COLLEGE •
COACHING CLASSESहमारा मीरा भाईंदर –
HOSPITAL • MEDICAL •
CLINICहमारा मीरा भाईंदर –
POLICE • CORPORATOR
CONTACTहमारा मीरा भाईंदर –
EMERGENCY NUMBERSहमारा मीरा भाईंदर –
OFFICE • SERVICES •
PROFESSIONALSहमारा मीरा भाईंदर –
GARDEN • PUBLIC PLACES •
जरूरी संपर्कहमारा मीरा भाईंदर –
BUILDERS & DEVELOPERSहमारा मीरा भाईंदर –
ESTATE AGENTSहमारा मीरा भाईंदर –
GOLD SHOPहमारा मीरा भाईंदर –
RESTAURANT & CAFEहमारा मीरा भाईंदर –
GYM / ACTIVITYहमारा मीरा भाईंदर –
CLUBSहमारा मीरा भाईंदर –
CAR SHOWROOMहमारा मीरा भाईंदर –
BIKE SHOWROOMहमारा मीरा भाईंदर –
CAR WASHERअपने व्यवसाय / संस्थान की
जानकारी दर्ज करवाएं!आपका व्यवसाय – आपकी पहचान –
आपके शहर तक पहुंच

हमारा मीरा भाईंदर

HMB News | Hindi Weekly

आपके शहर की अपनी वार्षिक डायरेक्टरी

जल्द ही शुरू होने वाली है!

हमारा मीरा भाईंदर DIRECTORY - ANNUAL

हमारा मीरा भाईंदर
ई-पेपरअखबार, अब आपके फोन पर।
RTI में मीरा भाईंदर मनपा
का खुलासा
hmbnews.in पर उपलब्धHMB
www.hmbnews.inअभी पढ़ें
READ NOW